हिन्दी जगत में सर्वाधिक लोकप्रिय

आज

आज 100 शताब्दी वर्ष

Facebook E-Paper Aj Hindi Daily News Paper ajhindidaily.com

★ ★ नगर संस्करण पृष्ठ १२ मूल्य ₹ ४

आगरा, २७ मार्च शुक्रवार २०२० वर्ष ३४ अंक ८४ सौर १३ चैत्र सं. २०७७ वि.

वाराणसी, गोरखपुर, इलाहाबाद (रीवा संस्करण), कानपुर (झांसी संस्करण), लखनऊ, आगरा, बरेली, पटना, रांची (धनबाद संस्करण) तथा जमशेदपुर से प्रकाशित

कोरोनाः 1.7 लाख करोड़ के स्पेशल पैकेज का ऐलान

तीन महीने के लिए उज्ज्वला योजना वालों को सिलेंडर मुफ्त

नई दिल्ली, २६ मार्च। कोरोना वायरस ने पूरे देश में लॉकडाउन करवा दिया है, ऐसे में मोदी सरकार ने हर तबके का ध्यान रखते हुए 1.7 लाख करोड़ के कोरोना स्पेशल पैकेज का ऐलान किया है। मोदी के इस स्पेशल पैकेज की कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी तारीफकी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आर्थिक पैकेज की घोषणा का स्वागत किया है। राहुल ने ट्वीट किया कि वित्तीय सहायता पैकेज की आज सरकार ने घोषणा की है जोकि सही दिशा में पहला कदम है। राहुल ने लिखा कि किसानों, दिहाड़ीदारों, मजदूरों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए जो आज वित्तीय सहायता पैकेजकी घोषणा की वो उचित कदम है क्योंकि ये लोग लॉकडाउन का खामियाजा भुगत रहे हैं। बता दें कि गुरुवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोरोना स्पेशल आर्थिक पैकेज की घोषणा की। इस योजना को दो हिस्सों में बांटा गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार सबसे पहली प्राथमिकता है कि देश में कोई भी भूखा न रहे। उन्होंने बताया कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (क्ठज) के तहत अकाउंट में पैसे भेजे जाएंगेऔर जिनके बैंक में अकाउंट नहीं हैं उनके नए खाते खोले जाएंगे। कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे डॉक्टर, नर्स, आशा सहयोगी और अन्य मेडिकल स्टॉफ के लिए इंश्योरेंस की घोषणा की गई। सरकार ने इन लोगों के लिए 50 लाख के मेडिकल इंश्योरेंस का ऐलान किया है। इस मेडिकल इंश्योरेंस का लाभ करीब 20 लाख मेडिकलकर्मियों को मिलेगा। 8.7 करोड़ किसानों के अकाउंट में अप्रैल के पहले हफ्ते में 2000 रुपये की किस्त डाल दी जाएगी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत अन्न योजना में 80 करोड़ गरीब लोगों को कवर किया जाएगा। इस योजना के तहत अगले तीन महीने तक 5 किलो चावल,गेहूं मुफ्त में दिया जाएगा और इसके अलावा 1 किलो दाल हर परिवार को मुफ्त में मिलेगी। देश में मनरेगा योजना का लाभ 5 करोड़ परिवारों को मिलता है। मनरेगा दिहाड़ी अब 182 से बढ़ाकर 202 रुपए कर दी गई है। बुजुर्ग, दिव्यांग और विधवाओं को एकमुश्त 1000 रुपए दो किस्तों में अलग से दी जाएगी। (शेष पृष्ठ ३ पर)

डिजिटल लेन-देन करें लोग, बंदी में भी चलती रहेगी भुगतान प्रणाली

मुंबई, २६ मार्च। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने नोटों से कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने की आशंका से बचने के लिए लोगों से डिजिटल लेन-देन पर निर्भरता बढ़ाने का आग्रह किया। नियामक ने कहा कि वह कामकाज जारी रखने की अपनी योजना को बेहतर बना रहा है ताकि राष्ट्रीय बंदी (लॉकडाउन) के दौरान लोगों को दिक्कतें नहीं आए। एनपीसीआई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी दिलीप आस्बे ने कहा, 'कामकाज जारी रखने की हमारी योजना लचीली है और इसे कोविड-19 के कारण उत्पन्न चुनौती पूर्ण परिस्थितियों में हर प्रकार की भुगतान प्रणाली की जरूरतें पूरा करने के लिए बेहतर बनाया गया है। विशेष कर हमारी संरचना यूपीआई प्लेटफॉर्म के अतिरिक्त दबाव को संभालने में मदद करेगी।' उन्होंने कहा हम जरूरी सामानों के सभी सेवा प्रदाताओं तथा उपभोक्ताओं से आग्रह करते हैं कि सुरक्षित बने रहने के लिए डिजिटल भुगतान अपनायें। आस्बे ने कहा कि एनपीसीआई राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहा है, ताकि अधिक से अधिक वेंडरों को डिजिटल भुगतान से जोड़ा जा सके।

पिछले 24 घंटे में 42 नये मामले और चार मौत

समुदाय स्तर पर नहीं हो रहा संक्रमण

नयी दिल्ली, २६ मार्च। स्वास्थ्य मंत्रालय ने आज कोरोना वायरस पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि इस वायरस के संक्रमण के चेन को तोड़ने में सामाजिक मेलजोल से दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग) प्रभावी साबित हो सकती है। इसलिए सरकार लगातार सोशल डिस्टेंसिंग की बात कर रही है। स्वास्थ्य के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि 17 राज्यों ने कोरोना वायरस संक्रमण के इलाज के लिए समर्पित अस्पताल चिह्नित करने का काम शुरू कर दिया है. उन्होंने स्पष्ट किया कि कोरोना वायरस संक्रमण मच्छरों के जरिये नहीं फैलता है। लव अग्रवाल ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 42 नये मामले आये हैं और चार लोगों की मौत हुई है। अभी तक कुल 649 मामले सामने आये हैं. उन्होंने बतायक कि कोविड 19 के मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन उनके बढ़ने की दर काफी हद तक नियंत्रित है।

हालांकि यह शुरुआती स्टेज है। लव अग्रवाल ने कहा कि अभी यह कहने के लिए हमारे पास कोई पुख्ता सबूत नहीं है कि भारत में कोरोना वायरस संक्रमण का प्रसार समुदाय के स्तर पर हो रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगर हम सोशल डिस्टेंसिंग करें और सटीक इलाज करवायें तो यहां कोरोना वायरस संक्रमण का प्रसार समुदाय के स्तर नहीं होगा.गौरतलब है कि आज सरकार ने कोरोना वायरस महामारी और उसके आर्थिक प्रभाव से निपटने के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 1.70 लाख करोड़ रुपये के राहत पैकेज का ऐलान किया है. यह रकम जरूरतमंदों की सहायता के लिए दी जा रही है। वित्त मंत्री ने राहत पैकेज में सभी श्रेणी के लोगों की सहायता को ध्यान में रखकर यह कदम उठाया है. उन्होंने कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए जुटे डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए 50 लाख रुपये के बीमा कवर का ऐलान भी किया है।

कमल हासन ने अपने आवास को अस्पताल में बदलने की पेशकश की

चेन्नई, २६ मार्च। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन ने कोरोनोवायरस रोगियों के इलाज के लिए अपने आवास को यहां अस्पताल के रूप में बदलने की पेशकश की है। हासन ने एक ट्वीट में अपनी पार्टी मक्कल नीधि माईम (एमएनएम) में डॉक्टरों की मदद से कहा कि वह उस आवास को कोरोनोवायरस रोगियों के इलाज के लिए अस्पताल में बदलने के लिए तैयार हैं जहां कभी वह रहा करते थे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार द्वारा अनुमति मिलने के बाद वह ऐसा करने के लिए तैयार हैं।

भूखा मरने से अच्छा है बीमारी से मर जाएं-महिला

नई दिल्ली, २६ मार्च। कोरोना वायरस का कहर दुनियाभर के देशों में देखने को मिल रहा है। भारत भी इस जानलेवा वायरस के संक्रमण की चपेट में है। कोरोना वायरस के संकट से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 21 दिनों के देशव्यापी लॉकडाऊन की घोषणा की है। मोदी ने लोगों लोगों से अपील की है कि वे अपने घर में ही रहें। वहीं लॉकडाउन की वजह से लाखों दिहाड़ी मजदूर, रिक्शा चालक, गरीबों की जिंदगी मुश्किलों से घिर गई है। मीडिया से बातचीत के दौरान एक दिहाड़ी करने वाली महिला ने बताया कि हमारे पास खाने का एक भी दाना नहीं है, जिसकी वजह से बिना खाए ही रहना पड़ रहा है।

अभी तक पानी आता था लेकिन अब पानी भी नहीं मिल रहा है। रोते हुए उन्होंने कहा कि भूखे मरने से अच्छा है कि हम इस बीमारी से ही मर जाएं। महिला ने कहा कि लॉकडाऊन के चलते हमारी परेशानी बढ़ गई है, उन्होंने सरकार से गुहार लगाई कि हमें या तो हमारे गांव भिजवाया जाए या फिर हमें साधन मुहैया कराया जाए। कोरोना वायरस का कहर दुनियाभर के देशों में देखने को मिल रहा है। भारत भी इस जानलेवा वायरस के संक्रमण की चपेट में है। अब तक 21,000 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। कोरोना को और फैलने से रोकने के लिए 200 करोड़ से अधिक लोगों को उनके घरों में 'कैद' कर दिया गया है। यानी दुनिया की 20 फीसदी आबादी घरों में रहने को मजबूर है। सरकार की ओर से कोरोना के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। देश में 21 दिन का लॉकडाऊन घोषित किया गया है।

सभी टोल प्लाजा पर टोल टैक्स अस्थाई तौर पर निलंबित

नयी दिल्ली, २६ मार्च। केन्द्र सरकार ने कोरोना वायरस (कोविड-19) को ध्यान में रखते हुए सभी टोल प्लाजा पर टोल टैक्स अस्थाई तौर पर निलंबित कर दिया है। केन्द्रीय राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। गडकरी ने कहा कि टोल. टैक्स निलंबित करने से एकतरफ जहां आपात सेवाओं का आवागमन सुगम होगा वहीं बहुमूल्य समय की बचत भी होगी।

हरियाणाः जेल में कैदियों को तीन माह की सजा में माफी

नई दिल्ली, २६ मार्च। कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते हरियाणा सरकार ने जेल में बंद कैदियों को तीन महीने तक की सजा की माफी का ऐलान किया है। राज्य के जेल मंत्री चौधरी रणजीत सिंह ने बताया कि सात साल तक की सजा वाले कैदियों को आठ सप्ताह तक की पैरोल फरलो और बंदियों को 60 दिन तक की जमानत मिलेगी। 65 वर्ष से अधिक उम्र के कैदियों को पैरोल और फरलो का लाभ मिलेगा। पोस्को एक्ट, बलात्कार, एसिड अटैक, धारा 379-इ, मादक पदार्थ आरोपी और विदेशी कैदी को किसी भी तरीके की छूट नहीं मिलेगी।

इससे पहले तिहाड़ जेल ने तीन हजार कैदियों को छोड़ने का फैसाल किया था। तिहाड़ जेल प्रशासन ने कहा है कि कोरोना वायरस के चलते करीब 3 हजार कैदी छोड़े जाएंगे. जिसमें 1500 कैदी ऐसे हैं जिन्हें कोर्ट से अलग अलग अपराधों में सजा हो चुकी है। इन्हें पैरोल या फरलो पर छोड़ा जाएगा जबकि करीब 1500 कैदी ऐसे हैं जो विचाराधीन यानि अंडर ट्रायल हैं उन्हें अंतरिम जमानत देकर छोड़ा जाएगा। बता दें देश में बुधवार को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 600 के पार पहुंच गई। इस बीच,प्रशासन ने हालात से निपटने के लिए तैयारियों को तेज कर दिया है और संक्रमितों के इलाज के लिए सैन्य आयुध फैक्टरियों और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के अस्पतालों में 2,000 बेड की व्यवस्था पृथक वार्ड के तहत की है। शिमला के अधिकारी ने बताया कि उपरोक्त तैयारियों के अलावा हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के छात्रावासों के 2,000 कमरों को पृथक केंद्र बनाने के लिए अपने कब्जे में लिया है।

दिहाड़ी मजदूरों का रोजगार ठप, दिल्ली से घर को चल रहे पैदल

नई दिल्ली, २६ मार्च। दिल्ली के गाजीपुर बॉर्डर पर दिल्ली और यूपी पुलिस के कड़े पहरे के बीच 20-21 साल के कुछ लड़के सिर और कंधों पर बैग लादे पैदल चलते जा रहे थे। उनके चेहरे देखकर यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं था कि वह काफी दूर से पैदल चलते हुए आ रहे थे। किसी ने मास्क पहना था, तो किसी ने मुंह पर रूमाल बांधा हुआ था। सब आपस में थोड़ी दूरी बनाकर चल रहे थे। तभी बॉर्डर पर तैनात एक पुलिसकर्मी ने उन्हें रोक कर पूछा, कहां जा रहे हो? उनमें से एक लड़के ने बताया कि वे लोग हापुड़ जा रहे हैं। पुलिसवाले ने पूछा कि इतनी दूर कैसे जाओगे? बस-ट्रेनें तो चल नहीं रही हैं और दूसरी गाड़ियां भी बंद है? लड़के ने कहा कि कोई साधन नहीं मिला, तो पैदल ही जाएंगे। पूछताछ में पता चला कि वे लोग गांधी नगर इलाके में दिहाड़ी पर मजदूरी करते थे, लेकिन लॉकडाउन से उन्हें कोई काम नहीं मिल पा रहा है। उनके पास जितने पैसे थे, वह भी अब खत्म होने को आए हैं, इसलिए वे घर लौट रहे हैं। पुलिसवाले ने उन पर तरस खाते हुए पूछा कि साथ में कुछ खाने-पीने के लिए है या नहीं? इस पर लड़के और उसके साथियों ने अपने बैग पर हाथ रखते हुए कहा कि हां, खाने का सामान है। तभी एक लड़के ने बताया कि पीने का पानी खत्म हो गया है। इस पर पुलिसवाले ने अपने पास रखी कैन से उसकी बोतल में पानी भरा और सभी लड़कों को पानी पिलाया। इसके बाद उन्हें जाने दिया।

कोरोना की वजह से जब से दिल्ली-एनसीआर में तमाम काम-धंधे ठप हुए हैं, तब से उन लोगों का यह हाल है, जो रोज मेहनत करके कमाते थे और शाम को चूल्हा जलाते थे। (शेष पृष्ठ ३ पर)

गरीबों के बैंक खातों में मदद पहुंचाये सरकार-अखिलेश

लखनऊ, २६ मार्च। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरूवार को कहा कि सरकार को देश के गरीब और जरूरतमंद लोगों के बैंक खातों में आर्थिक मदद की धनराशि अविलंब भेजने की प्रबंध करने चाहिये ।यादव ने यहां जारी बयान में कहा '' इस कठिन समय में सरकार को तत्काल देश के सभी जनधन खाताधारकों के बैंक एकाउंट में सहायता धनराशि ट्रांसफर करने का प्रबंध करना चाहिये। उन्होने कहा कि साथ ही जो लोग रास्तों पर भटक रहे है,उनके भोजन पानी,चिकित्सा और सुरक्षित दूरी बनाये रखते हुये रैन बसेरों का भी इंतजाम सरकार को करना चाहिये। सपा अध्यक्ष ने कहा कि सरकार से अपील है कि गरीब लोगों के लिये भोजन की व्यवस्था तत्काल करे जिससे वो घास खाने पर मजबूर न हो, साथ ही सब्जी जैसी दैनिक उपयोग की चीजों पर पुलिस संयम बरते।

अदालतों में पारित अन्तरिम आदेश की अवधि 26 अप्रैल तक बढ़ी

प्रयागराज, २६ मार्च। प्रधानमंत्री की देशव्यापी लाक डाउन की घोषणा के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सूबे के वादकारियो को राहत देते हुये अंतरिम आदेशों की अवधि 26 अप्रैल तक बढ़ाने का फैसला किया है। मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर तथा न्यायमूर्ति समित गोपाल की खंडपीठ ने जनहित याचिका पर 19 मार्च से अगले एक माह के दौरान समाप्त होने वाले सभी अंतरिम आदेशों की अवधि 26 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी है ।यह आदेश उच्च न्यायालय एवं इसकी लखनऊ बेंच के साथ ही सभी निचली अदालतों द्वारा पारित अन्तरिम आदेश पर भी लागू रहेगा। न्यायालय ने कहा है जिन अन्तरिम आदेश में समय सीमा नहीं है वहां वह आदेश उसी रूप में समझा जाएगा। जिन आपराधिक मामले में अग्रिम जमानत या नियमित जमानत दी गई है और एक माह के भीतर उसकी अवधि पूरी हो रही है तो वह अगले एक माह तक जारी रहेगी। आदेश में कहा गया है कि उच्च न्यायालय या जिला अदालतों द्वारा यदि कोई ध्वस्तीकरण,या बेदखली आदेश जारी किया गया है तो वह अगले एक माह तक निष्प्रभावी रहेगा।न्यायालय ने कोरोना वायरस के चलते गृह मंत्रालय द्वारा 24 मार्च 20 को जारी एडवाइजरी को देखते हुए कहा है कि राज्य सरकार या नगर निकाय या अन्य कोई ऐसी एजेंसी नागरिकों के खिलाफ ध्वस्तीकरण और बेदखली कारर्वाई करने में धीमा रुख अपनाएगी, क्योंकि कोर्ट बंद हैं।

मोदी कमांडर और देश की जनता पैदल सेना-चिदंबरम

नई दिल्ली, २६ मार्च। कोरोना वायरस की नब्ज को पहचानते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इससे जंग के लिए तैयारियां काफी पहले शुरू कर दी थीं और साथ ही लोगों को सतर्क करना शुरू कर दिया था। वहीं पीएम मोदी की तैयारियों की विपक्ष भी तारीफकर रहा है। पूर्व वित्त मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने लॉकडाउन को देशहित में बताते हुए पीएम मोदी की तारीफ की औ उनको कमांडर और देश की जनता को पैदल सैनिक बताया है। चिदंबरम ने लोगों से अपील की कि वे केंद्र और राज्य सरकारों को अपना पूरा समर्थन दें और लॉकडाउन को पूरा सहयोग दें। कोरोना की गंभीरता के देखते हुए पीएम मोदी ने पहले 22 मार्च को एक दिन का जनता कर्फ्यू लगाया था और फिर पूरे देश को 21 दिन के लिए लॉकडाउन कर दिया।

एम्स के डॉ अमित रंजन ने बताया कोरोना से बचाव के उपाय

गोरखपुर, २६ मार्च। कोरोना वायरस के संक्रमण से मरने वाले लोगों की संख्या 16,591 हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे महामारी घोषित कर दिया है। कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए इसके लक्षणों को पहचानना बेहद जरूरी है। लक्षणों को पहचान कर ही कोरोना वायरस को काबू में किया जा सकता है। बच्चों और वयस्कों में अगर 100 डिग्री फारेनहाइट (37.7 डिग्री सेल्सियस) या इससे ऊपर पहुंचता है तभी यह चिंता का विषय है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक कोरोना वायरस से संक्रमित होने पर 88 फीसदी को बुखार, 68 फीसदी को खांसी और कफ 38 फीसदी को थकान, 18 फीसदी को सांस लेने में तकलीफ 14 फीसदी को शरीर और सिर में दर्द, 11 फीसदी को ठंड लगना और 4 फीसदी में डायरिया के लक्षण दिखते हैं। रनिंग नोज यानी नाक बहना कोरोना वायरस का लक्षण नहीं माना जा रहा है। इसके लक्षण फ्लू से मिलते-जुलते हैं। संक्रमण के फ्लस्वरूप बुखार, जुकाम, सांस लेने में तकलीफ नाक बहना और गले में खराश जैसी समस्या उत्पन्न होती हैं. यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। इसलिए इसे लेकर बहुत सावधानी बरती जा रही है। कुछ मामलों में कोरोना वायरस घातक भी हो सकता है। खास तौर पर अधिक उम्र के लोग और जिन्हें पहले से अस्थमा, डायबिटीज और हार्ट की बीमारी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस से बचने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनके मुताबिक, हाथों को साबुन से धोना चाहिए। अल्कोहल आधारित हैंड रब का इस्तेमाल भी किया जा सकता है. खांसते और छीकते समय नाक और मुंह रूमाल या टिश्यू पेपर से ढककर रखें। जिन व्यक्तियों में कोल्ड और फ्लू के लक्षण हों उनसे दूरी बनाकर रखें. अंडे और मांस के सेवन से बचें। जंगली जानवरों के संपर्क में आने से बचें। कोरोना वायरस यानी किकोविड-19 बहुत सूक्ष्म लेकिन प्रभावी वायरस है। कोरोना वायरस मानव के बाल की तुलना में 900 गुना छोटा है। आकार में इस छोटे वायरस ने पूरी दुनिया को डरा दिया है। दिसंबर 2019 में चीन के वुहान शहर में नोवल कोरोना वायरस (कोविड-19) का पहला मामला जानकारी में आया।

दिल्लीः 24 घंटे खुली रहेंगी दुकानें

झुग्गी झोपड़ी में खाने के सामान व अन्य आवश्यक वस्तुओं का वितरण करते हुये दिल्ली पुलिस के जवान।

नई दिल्ली, २६ मार्च। दिल्ली सरकार आवश्यक सामान बेचने वाली दुकानों को चौबीसों घंटे खुली रहने की अनुमति देगी ताकि 21 दिन के लॉकडाउन (बंद) के मद्देनजर इन दुकानों पर लोगों की भीड़ एकत्र नहीं हो। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बैजल के साथ एक संयुक्त डिजिटल संवाददाता सम्मेलन में बताया कि दिल्ली में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण का एक मामला दर्ज किया गया है और इसके साथ ही राष्ट्रीय राजधानी में इसके कुल मामले बढ़कर 36 हो गए। बैजल ने बताया कि संबंधित एसडीएम और एसीपी को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि किराने का सामान, सब्जियां और दूध बेचने वाली दुकानें खुली रहें और उनके क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त भंडार मौजूद रहे। केजरीवाल ने कहा कि लोग मुख्य रूप से घरों से भीतर ही रह रहे हैं और हालात काबू में हैं लेकिन इस घातक वायरस को फैलने

फ्री होम डिलिवरी सेवा भी जारी

से रोकने के लिए और सावधानी की आश्यकता है। श्री केजरीवाल ने कहा कि मोहल्ला क्लीनिक चालू रहेंगे। किन्तु पूरी एहतियात बरती जाएगी। गौरतलब है कि उत्तर पूर्वी दिल्ली के मौजपुर इलाके मे मोहल्ला क्लीनिक के एक डॉक्टर और उनसे इलाज कराने वाले करीब 900 लोगों को क्वारेंटीन किया जाएगा। सऊदी अरब से आई एक महिला का इस मोहल्ला क्लिनिक के डाक्टर ने उपचार किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉकडाउन काफी हद तक सफल रहा है किन्तु अभी भी कुछ लोग बेवजह सड़कों पर निकल रहे हैं। कुछ लोगों की गलती से परेशानी बढ़ सकती है। उन्होंने से लोगों से अपील की थी कि आने वाले समय में और सर्तकता बरतने की जरुरत है।

(शेष पृष्ठ ३ पर)